at a number of places between entering Hardwar and reaching Rishikesh by car and that every time a person enters Hardwar or goes out of it to Rishikesh by car, he has to repeatedly pay such tax; and

(b) if so, whether, in order to avoid annoyance and inconvenience caused to tourists, the present system is proposed to be rationalised in consultation with the State Government so that toll tax is charged only at one place in the journey to Rishikesh and Hardwar and only once during the day for any one car?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI IQBAL SINGH): (a) and (b). The information required is being collected from the Government of Uttar Pradesh and will be laid on the Table of the Sabha, when received.

Entry Fee at Airports

3398. SHRI S. S. KOTHARI: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Airport Entry Fee in leading airports in the country is the same for children as for adults, and as a consequence many families are constrained to leave their children at home due to the high financial burden on the family; and

(b) if so, whether Government propose to consider halving the fee for children below 15 years?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): (a) The fee prescribed for entry into the international airports is the same for adults and children.

(b) No, Sir.

कृषकों को सहायतार्थ ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीकृत बैंकों की शाखाएं

3399. **श्री रामावतार शास्त्री :**
श्री सामिनाथन :
श्री नारायणन :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बैंकों के राष्ट्रीयकरण के पश्चात् सरकार ने कृषकों की सहायता के लिये ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाएं खोली हैं,

(ख) यदि हां, तो उनका राज्यवार ब्यौरा क्या है,

(ग) प्रत्येक राज्य के कृषकों को दिये गये ऋणों का ब्यौरा क्या है, और

(घ) एक कृषक को कितना न्यूनतम और कितना अधिकतम ऋण दिया गया है ?

वित्त मंत्री (श्री यशवन्तराव चह्वान) : (क) : जी, हां ।

(ख) और (ग). सूचना लोक सभा के पटल पर रखे गये विवरण I और II में दी गयी है ।

(घ) : सूचना इकट्ठी की जा रही है और उसे सभा-पटल पर रख दिया जायगा ।

विवरण I

19 जुलाई, 1969 और 30 सितम्बर, 1970 के बीच की अवधि में राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा देहाती केन्द्रों में खोली गयी शाखाओं की संख्या का राज्यवार विवरण ।

राज्य	खोली गई शाखाएं
आन्ध्र प्रदेश	47
असम	16
बिहार	33
गुजरात	128
हरियाणा	15
जम्मू और कश्मीर	10
केरल	43
मध्य प्रदेश	48
महाराष्ट्र	73
मैसूर	118
नागालैंड	1
उड़ीसा	13
पंजाब	45
राजस्थान	29
तमिलनाडु	99
उत्तर प्रदेश	100
पश्चिम बंगाल	42
संघीय राज्य क्षेत्र	39
जोड़	909